बिहार सरकार

विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग

पत्र सं0–वि0 प्रा0 (11) य 1–104/87 808 / पटना, दिनांक –16.03.1988

प्रेषक,

श्री यू0 के0 नन्दा,
अपर सचिव,
विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग।

सेवा में,

महालेखाकार, बिहार
पो0 –हिनू, रॉची।
(द्वारा वित्त विभाग)

विषय– बिहार रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन केन्द्र की स्थापना की स्वीकृति।

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषय के प्रसगं में कहना है कि राज्य सरकार ने राज्य का प्राकृतिक आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिये बिहार रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन केन्द्र की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना पर कुल 126.00 लाख (एक करोड. छब्बीस लाख रू) अनावर्त्तक एवं 20.00 लाख (बीस लाख) रू आवर्त्तक वार्षिक व्यय होंगे।

2. वर्त्तमान वित्तीय वर्ष 1987–88 में इस परियोजना दर 25.000लाख (पच्चीस लाख) रू व्यय होगें। वर्ष 1987–88 आय व्ययक में इस राशि का उपबंध नहीं है। अतएव तत्काल व्यय के लिए वित्त विभाग के ज्ञापांक सं0 बी0 टी0 174/87–495 दिंनांक 08.03.88 द्वारा बिहार आकस्मिक निधि से अग्रिम स्वीकृति किया गया है। अग्रिम की प्रतिपूर्ति वर्ष 1988–89 के प्रथम अनुपूरक में अनुसूची द्धारा शामिल करके की जायेगी।

3. यह व्यय खण्ड (11) 000– आकस्मिक निधि–''2203– तकनीकी शिक्षा–004 अनुसंधान अन्य क्षेत्रीय उपयोजना बिहार कौंसिल ऑन साईन्स एण्ड टैकनोलोजी, पटना– शोधवृतिक का प्रदान– सहायक अनुदान शीर्ष से विकल्पनीय होगा।

4. राशि की निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी तकनीकी पदाधिकारी, बिहार कौंसिल ऑन साईन्स एण्ड टेक्नोलॉजी, पटना होंगे।

विश्वासभाजन,

ह०/–
सरकार के अपर सचिव,
विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग।